लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित
श्रावण कृष्ण पक्ष चतुर्थी विक्रम संवत 2082
अमृत विचार
वर्ष 6, अंक 233, पृष्ठ -14+4, मूल्य: 6 रुपये
एक सम्पूर्ण अखबार
बरेली, रविवार, 13 जुलाई 2025
डिजिटल माध्यम से वैश्विक

एआई ईश्वर के बनाए इंसान से बढ़कर नहीं

एमबीबीएस विद्यार्थियों के लिए हिस्टोलाजी मैनुअल पुस्तक का विमोचन करते अतिथि।

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में शनिवार को एनाटॉमी विभाग की ओर से एआई से न्यूरोएनाटॉमी शिक्षा और इसके चिकित्सकीय परिणाम से मस्तिष्क विज्ञान में क्रांति विषय पर सीएमई का आयोजन हुआ। जिसमें चिकित्सकों ने स्वास्थ्य शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की भूमिका पर व्याख्यान दिया और डिजिटल युग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता से शिक्षण, सीखने और अनुसंधान में सुधार की बात कही।

चेयरमैन देवमूर्ति, डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन आदित्य मूर्ति, डॉ.एमएस बुटोला, सीएमई की ऑर्गनाइजिंग चेयरपर्सन एवं एनाटॉमी विभागाध्यक्ष डॉ.नमिता मेहरोत्रा, ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ. शंभू प्रसाद और विशिष्ट अतिथि डॉ. नवनीत चौहान ने सीएमई का उद्घाटन किया। देव मूर्ति ने कहा कि आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का बोलबाला है। इसकी क्षमताओं, विशेषताओं और उपयोगिता पर कोई संदेह नहीं, लेकिन यह ईश्वर के बनाए इंसान से बढ़ कर नहीं। अभी तक इंसान ढाई सौ ग्राम के दिमाग को नहीं समझ पाया। एआई का दौर संभव है कि दिमाग के रहस्यों को समझने में मदद करे। डॉ.नवनीत ने सीएमई को एमबीबीएस विद्यार्थियों के साथ ही एसआर और फैकल्टी के लिए महत्वपूर्ण बताया।

ऋषिकेश की प्रो. रश्मि मल्होत्रा ने डिजिटल युग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता से शिक्षण, सीखने और अनुसंधान में सुधार पर व्याख्यान दिया। नई दिल्ली के वरिष्ठ न्यूरो सर्जन डॉ.महीप सिंह गौर ने स्टीरियोटैक्टिक, रेडियोसर्जरी, बेसिक और एआई एप्लिकेशन विषय पर बात की। आईआईटी रुड़की के प्रो. संजीव कुमार ने ब्रेन इमेजिंग के लिए एआई जेनेरेटिव मॉडल और गहन शिक्षण के विषय पर विचार रखे। इंजीनियर सुभाष मेहरा, मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. आरपी सिंह, डॉ. शरद जौहरी, डॉ. क्रांति कुमार, डॉ. धनंजय कुमार, डॉ. समता तिवारी, विभागाध्यक्ष, एसआर, जेआर, एमबीबीएस विद्यार्थी मौजूद रहे। डॉ. कंचन बिष्ट ने किया।